



संपादकीय

मर्ज का वाजिब खर्च

पारदर्शिता से बढ़े़गा मरीजों का भरोसा

अक्सर मरीजों द्वारा उपचार के दौरान मनमाने दाम वसूलने और कीमती में पारदर्शिता के अभाव के आक्षेप लगाये जाते रहे हैं। ये केवल पांच सितारा अस्पतालों के संदर्भ में ही नहीं है, क्लिनिकों, सरकारी अस्पतालों में उपचार के दौरान उपचार खर्च में पारदर्शिता के अभाव का जिक्र होता है। जो अक्सर कमजोर वर्गों व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के लिये रोग से बड़ा सिरदर्द बन जाता है। इस समस्या के मद्देनजर ही केंद्र सरकार ने सभी राज्यों सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों और क्लीनिकों में स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएं। निस्संदेह, इसे सरकार की ओर से एक अधिक पारदर्शी

“ निस्संदेह, इसे सरकार की ओर से एक अधिक पारदर्शी और मरीजों के अनुकूल व्यवस्था बनाने की दिशा में यह स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है। अक्सर देखने में आता है कि इलाज के लिये आने वाले मरीजों को उपचार में होने वाले खर्च की स्पष्ट जानकारी नहीं होती। इसमें दो राय नहीं कि परामर्श शुल्क, जांच यानी डायग्नोस्टिक टेस्ट, इलाज की प्रक्रियाओं और अस्पताल में उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी होने से मरीजों को सही फैसला लेने में मदद मिलेगी। साथ ही वे अचानक सामने आने वाले वित्तीय बोझ से बच सकेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुख्य सचिवों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। दरअसल, क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 और क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स(केंद्र सरकार) नियम 2012 के तहत अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिये यह अनिवार्य किया गया है कि वे अपनी सेवाओं और सुविधाओं के शुल्क को ऐसी जगह प्रदर्शित करें,जहां मरीज व उनके

तिमरदार आसानी से देख सकें। सेवाओं व सुविधाओं की फीस अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में लिखी होनी चाहिए। हालांकि, इससे बचाव के को लेकर सरकारी व निजी अस्पतालों के संचालकों की दलील है कि उपचार की कीमती की तय सीमा निर्धारित किए जाने से उपचार की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

दरअसल, कई प्राइवेट अस्पताल व क्लिनिकों के संचालक इन निर्देशों को लागू करने के बावत तमाम तरह के कितु-परंतु गिनाते हैं। उनकी दलील है कि इन नियमों को लागू करने से उपचार की आर्थिक व्यवहार्यता कमजोर हो सकती है। जिसके चलते उपचार की परिचालन लागत, बुनियादी ढांचे और क्लिनिकल विशेषज्ञता में अंतर को नजरअंदाज किया जा सकता है। निस्संदेह, इन चिंताओं पर विचार तो जरूर किया जाना चाहिए, लेकिन इन्हें कीमती से जुड़ी जरूरी जानकारी छिपाने का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक अच्छी सुविधाओं वाले प्राइवेट अस्पताल और सरकारी अस्पताल की लागत संरचना में अंतर होना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी, मरीजों को इलाज के लिये सहमति देने से पहले यह जानने का अधिकार तो होना ही चाहिए कि उनकी जेब कितनी ढीली होने वाली है। इसके साथ ही देश में मेडिकल या आयुष वीजा पर आने वाले अंतर्राष्ट्रीय मरीजों के लिये केंद्र सरकार का ‘पैकेज रेट’ पर जोर देना भी काफी महत्वपूर्ण है। जिससे विदेशी मरीजों से मनमाने चार्ज न वसूले जा सकें। देश में बढ़ते मेडिकल टूरिज्म के विस्तार के लिये भी यह जरूरी है कि उपचार की लागत में पारदर्शिता बनी रहे। इससे देश की विश्वसनीयता भी बढ़ सकती है। निश्चित रूप से उपचार शुल्क में पारदर्शिता लाने से इससे जुड़े तमाम विवाद कम हो सकते हैं। राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब नियमित निरीक्षण, निगरानी दर्ज करने की सहज-सुलभ व्यवस्था और नियमों का लगातार पालन न करने पर उचित दंड के जरिये इन निर्देशों को अमल में लाना चाहिए। सही सूचना देने में देरी, गलत जानकारी और कीमती में अनिश्चितता मरीजों की परेशानी को और बढ़ा सकती है। इसमें दो राय नहीं कि मरीजों को न केवल इलाज की सुविधा समय पर मिलनी चाहिए, बल्कि इलाज के खर्च के बारे में भी सही और भरोसेमंद जानकारी तो मिलनी ही चाहिए। यह हमारे चिकित्सा तंत्र में भरोसा बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

भारतीय प्रतिभाओं पर बनी रहेगी अमेरिकी निर्भरता

दिनेश सी शर्मा

आउटसोर्सिंग व्यवसाय के अलावा, सिलिकॉन वैली का प्रौद्योगिकी पावरहाउस काफी हद तक भारत व अन्य आप्रवासियों की प्रतिभाओं से चलाया जाता है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों से लेकर प्रौद्योगिकी उद्योग तक, प्रतिभा का स्रोत इन्हीं छात्रों से भरा हुआ है। सिलिकॉन वैली में दर्जनों नवाचार भारतीय मूल के उद्यमियों द्वारा स्थापित या संचालित किए जा रहे हैं।

हाल ही में ट्रम्प प्रशासन ने स्थायी श्रम प्रमाणन कार्यक्रम के तहत विदेशी कामगारों के लिए वीजा पर रोक लगाने की घोषणा कर दी। यह एक ऐसा कदम है, जिसका प्रभाव शीघ्र अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ-साथ प्रमुख भारतीय आउटसोर्सिंग कंपनियों पर भी पड़ेगा। दलील है कि प्रौद्योगिकी उद्योग अमेरिकी कामगारों को काम पर रखने से बचने के लिए रोजगार-आधारित श्रम कार्यक्रम का दुरुपयोग करता है। नए प्रतिबंधों से बड़ी संख्या में भारतीयों सहित सभी विदेशी प्रौद्योगिकी कामगारों की नियुक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, जिन्होंने ग्रीन कार्ड और अंततः नागरिकता अर्जित करने के लिए एच-1बी वीजा का उपयोग किया था। एक के बाद एक आए अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने घरेलू राजनीतिक उद्देश्यों के लिए एच-1बी वीजा कोटा को लटकाए रखा। वर्ष 2008 में, राष्ट्रपति ओबामा ने विदेशों से आउटसोर्सिंग करवाने वाली कंपनियों के लिए कर छूट समाप्त करने की घोषणा की थी। बाद में जो बाइडेन ने भी ऐसा ही किया।

अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने सस्ते श्रम की उपलब्धता का लाभ उठाने पर ज्यादा ध्यान दिया। सन् 1960 के दशक में, उन्होंने सेमीकंडक्टर विनिर्माण के साथ ऐसा किया, जो उस समय भारी श्रम-साध्य कार्य था। कालांतर में उन्होंने सॉफ्टवेयर सेवाओं और प्रोग्रामिंग के मामले में यही किया। फेयरचाइल्ड सेमीकंडक्टर के अध्यक्ष रॉबर्ट नॉयस ने विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के उद्देश्य से 1960 के दशक में भारत आदि देशों का दौरा किया। भारत ने इनकार किया, तो वे हांगकांग चले गए। नॉयस ने कुछ साल बाद इंटेल की स्थापना की। अन्य अमेरिकी कंपनियों ने इलेक्ट्रॉनिक्स और इंटीग्रेटेड सर्किट विनिर्माण के लिए सिंगापुर, मलेशिया और ताइवान को चुना, जिससे ये देश अगले दो दशकों में प्रौद्योगिकी विनिर्माण के केंद्र बन गए। भारत ने 1970 और 1980 के दशक में मौका संभालते हुए अमेरिकी ग्राहकों के लिए सेमीकंडक्टर डिजाइन, सॉफ्टवेयर सेवाओं और



प्रोग्रामिंग में काम करना शुरू किया।

अमेरिकी प्रौद्योगिकी उद्योग के साथ भारत का जुड़ाव कई पड़ायों से गुजरा है। इसकी शुरुआत छोटे पैमाने पर ‘बॉडी शॉपिंग’ से हुई, जिसमें भारतीय इंजीनियर अमेरिकी ग्राहकों के लिए अल्पकालीन अनुबंध के आधार पर काम करते थे। वे काम पूरा होने के बाद लौट आते थे। अगले चरण में, यह एक ऑनसाइट मॉडल के रूप में विकसित हुआ, जिसमें भारतीय कंपनियों ने अपने उन श्रमिकों को भेजा, जो दीर्घकालिक परियोजनाओं पर काम करते हुए अमेरिकी कंपनियों के कार्यबल का हिस्सा बने। जैसे-जैसे भारतीय कंपनियों ने अपने ग्राहकों का विश्वास हासिल किया और संचार प्रणाली के बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ, इस ऑनसाइट काम का कुछ हिस्सा भारत से ऑफशोर मॉडल के रूप में निष्पादित होना शुरू हो गया।

जल्द ही, अमेरिकी कंपनियों को अहसास हुआ कि अमेरिका में भारतीयों को बुलाना काम पर रखने और भारतीय कंपनियों पर निर्भर रहने के बजाय, क्यों न वे सीधे खुद भारतीयों को काम पर रखें और भारत में परिचालन स्थापित करें। यह और भी फ़िक्रयती था। वर्ष 1990 के दशक के अंत में माइक्रोसॉफ्ट ने शुरुआत की और कई अन्य तकनीकी कंपनियों ने इसका अनुसरण किया। फिर बैंकों, बीमाकर्ताओं, लॉजिस्टिक्स कंपनियों, एयरलाइंस, कानूनी फर्मों, वैश्विक परामर्श और ऑडिटिंग दिगमों तथा अन्य कंपनियों ने भी ऐसा ही किया। आज वे सभी अपने अधिकांश बैंकरूम संचालन या व्यावसायिक प्रक्रियाओं को बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, नोएडा आदि

युद्ध के दौर में नवी पिल्लई का शांति संदेश

अरुण नैथानी

दक्षिण अफ्रीका में संस्थागत भेदभाव की तपिश से कानून विशेषज्ञ बनीं नवी पिल्लई को नोबेल मिलना संदेश देता है कि कानून अनुपालन से ही शांति-सद्भाव स्थापित होगा। ऐसे दौर में, जब दुनिया कई मोर्चों पर युद्ध के संकट से जूझ रही है, किसी हकदार व्यक्तित्व को शांति का नोबेल पुरस्कार मिलना एक बड़ा संदेश है। भारत के लिए तो यह गौरव का क्षण है, क्योंकि इस साल का यह पुरस्कार भारतीय मूल की एक बेटी को मिला है। दरअसल, 85 वर्षीय नवी पिल्लई को बेहद जटिल मामलों को शांति से हल करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने शक्तिशाली देशों और व्यक्तियों को जवाबदेह रहने तथा पीड़ितों को सुरक्षा दिलाने में अंतर्राष्ट्रीय कानून की भूमिका को रेखांकित किया है। शांति का नोबेल पुरस्कार पाने वाली नवी पिल्लई अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त के पद पर सफल भूमिका निभाने से पहले दक्षिण अफ्रीका के हाईकोर्ट व रवांडा के अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक ट्रिब्यूनल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी हैं। वे



इसाइल के कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र जांच आयोग की अध्यक्षता भी कर चुकी हैं। वे म्यांमार में नरसंहार के मामलों की जांच कर रहे अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में जज हैं। पिल्लई ने बलात्कार व यौन हिंसा को मानवता के खिलाफ युद्ध अपराध के रूप में मान्यता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, मीडिया के एक वर्षा द्वारा प्रोपेगैंडा के जरिए हिंसा भड़काने के मामलों में सख्त कानूनी

कार्रवाई को अंजाम तक पहुंचाने में भी उनकी भूमिका रही है। इस योगदान के लिए नवी पिल्लई को वर्ष 2026 का शांति का नोबेल पुरस्कार मिलना वैश्विक शांति के साथ ही मानवाधिकारों और अंतर्राष्ट्रीय कानून की जीत का प्रतीक माना जा रहा है।

ऐसे दौर में, जब दुनिया के कई क्षेत्रों में लोग युद्ध की अमानवीय त्रासदी झेल रहे हैं और युद्धरत महाशक्तियां मानवता को नजरअंदाज कर अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का

ऐपल आईओएस, एंड्रॉइड) और विकास के लिए क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच के लिए अमेरिकी व्यवसाय की आवश्यकता है।

पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय इंजीनियरों ने अपने फायदे स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए हैं, जैसे कि बड़ी संख्या में उनकी उपलब्धता, जो कंपनियों को अपना आकार बढ़ाने में सहायक है, अंग्रेजी भाषा का ज्ञान, विभिन्न कार्य वातावरणों में अनुकूलनशीलता और समस्या-समाधान का दृष्टिकोण। आउटसोर्सिंग व्यवसाय के अलावा, सिलिकॉन वैली का प्रौद्योगिकी पावरहाउस काफी हद तक भारत व अन्य आप्रवासियों की प्रतिभाओं से चलाया जाता है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों से लेकर प्रौद्योगिकी उद्योग तक, प्रतिभा का स्रोत इन्हीं छात्रों से भरा हुआ है। सिलिकॉन वैली में दर्जनों नवाचार भारतीय मूल के उद्यमियों द्वारा स्थापित या संचालित किए जा रहे हैं।

बाजार का तर्क सरल है। तकनीकी व्यवसाय प्रतिभा पर निर्भर होते हैं। यदि वीजा प्रतिबंध उन्हें अमेरिका में भारतीय इंजीनियरों के नियुक्त करने की अनुमति नहीं देंगे, तो वे उनमें से अधिक को भारत में नियुक्त करेंगे। लिहाजा, भारत से संचालित होने वाले जीसीसी की संख्या बढ़ेगी। यदि अमेरिका के अलावा अन्य बाजारों में अवसर पैदा होंगे, तो भारतीय कार्यबल उसका लाभ उठाएगा। वे भारत में रह सकते हैं और जो अमेरिका में हैं, वे वापस लौट सकते हैं। यदि भारत में उनके लिए चुनौतीपूर्ण और आकर्षक अवसर पैदा होते हैं।

सवाल है कि क्या भारतीय कंपनियां पश्चिमी बाजारों पर इतनी ही निर्भर बनी रहेंगी? भारतीय कंपनियों ने शुरुआत सेवा निर्यात और आउटसोर्सिंग से की थी, क्योंकि प्रौद्योगिकी उत्पादों और सेवाओं के लिए कोई घरेलू बाजार नहीं था। न ही ऐसा कोई पारिस्थितिकी तंत्र था, जो स्थानीय प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकास में मददगार हो। पिछले दो दशकों में यह बदल गया है। नवाचार के लिए एक बड़ा स्थानीय बाजार और सहायता प्रणालियां हैं, जैसे कि उद्यम पूंजी तक पहुंच। जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगा और भारतीय बाजार परिपक्व होगा, आउटसोर्सिंग पर निर्भरता और इससे जुड़ी अनिश्चितताएं कम होती जाएंगी। इस प्रक्रिया में, वर्षों से संचित आउटसोर्सिंग, उत्पाद विकास, आरंभी निर्माण और अनुसंधान का अनुभव काम आएगा। भारत इस संक्रमण काल से गुजर रहा है।

लेखक विज्ञान से जुड़े विषयों के टिप्पणीकार हैं।

के चलते आठ साल की उम्र में स्कूल छोड़ना जैसी त्रासदियों ने नवी पिल्लई के मन में असंतोष और प्रतिरोध के स्वर जगाए। एक समय ऐसा भी आया, जब नारायणसामी को परिवार के भरण-पोषण के लिए बस चलानी पड़ी। इसके बावजूद पिता सामी ने बच्चों की पढ़ाई जारी रखने की हरसंभव कोशिश की। कालांतर में नवी ने दक्षिण अफ्रीका की यूनिवर्सिटी ऑफ नेटाल से 1963 में स्नातक की डिग्री और वर्ष 1965 में कानून की डिग्री प्राप्त की। इसके उपरांत अमेरिका जाकर उन्होंने 1982 में हार्वर्ड लॉ स्कूल से कानून में मास्टर डिग्री तथा वर्ष 1988 में कानून में डॉक्टरेट हासिल की।

लेकिन उच्च शिक्षा हासिल करने के बावजूद नवी पिल्लई को किसी लॉ फर्म ने नौकरी नहीं दी। थक-हारकर उन्होंने नेटाल प्रांत में अपनी लॉ फर्म की शुरुआत की। वे इस इलाके में लॉ फर्म खोलने वाली पहली महिला वकील थीं। फिर उन्होंने रंगभेद के खिलाफ अपना आंदोलन मुखर किया। उन्होंने न केवल रंगभेद के खिलाफ संघर्ष किया, बल्कि नरसंहार के दारिद्र्यों को भी सजा दिलाई। उनके प्रयासों से ही रामेन्नीको कैदियों को वकीलों की मदद लेने का अधिकार मिला। इन राजनीतिक बर्दियों में रॉबेन आइलैंड कारागार में कैद नेल्सन मंडेला भी शामिल थे। कालांतर में नवी पिल्लई हाईकोर्ट में पहली अश्वेत महिला जज बनीं।

अफगान तालिबान को काबू करने में असफल साबित हो रहा था। इस कारण 2018 में अमेरिका ने पाकिस्तान को दी जाने वाली लगभग 1.3 अरब डॉलर से अधिक की वार्षिक सैन्य सहायता निलंबित कर दी थी। नतीजतन, पाकिस्तान को होने वाले अमेरिकी रक्षा निर्यात लाभभग बंद हो गए। अंततः इस्लामाबाद को अपने सैन्य साजो-सामान की खरीद के लिए पेरुवियंग का रुख करना पड़ा।

स्टॉकहोम स्थित इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) के अनुसार, 2019 से 2023 के बीच पाकिस्तान के कुल हथियार आयात का 81 प्रतिशत हिस्सा चीन से आया, जो पिछले पांच वर्षों के 69 प्रतिशत के आंकड़े से काफी अधिक है। इस वजह से पाकिस्तान चीनी हथियारों का सबसे बड़ा खरीददार बन गया है। पाकिस्तान द्वारा खरीदी गई प्रमुख सैन्य सामग्रियों में जे-10सीई लड़ाकू विमान, वीटी-4 बैटल टैंक, टाइप 054-ए गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट और उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणालियां शामिल हैं। इनमें से कई सौदों में तकनीक हस्तांतरण और स्थानीय स्तर पर उत्पादन भी शामिल है, जिससे पाकिस्तान की रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता और मजबूत हुई। ठीक से देखा जाए, तो पाकिस्तानी रक्षा क्षमताएं काफी हद तक चीनी तकनीक और सहयोग पर निर्भर हैं। ऑपरेशन सिंदूर के समय चीन परोक्ष रूप से पाकिस्तान के पीछे खड़ा था।

अब सवाल है कि चीन की एक तरफ दोस्ती और दूसरी तरफ दगाबाजी वाली चाल के विरुद्ध भारत को क्या करना चाहिए? भारत को अपनी उररी कमान और सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन तथा मिसाइल हमलों से सुरक्षा के लिए भूमिगत सैन्य अड्डे तेजी से तैयार करने चाहिए। ऐसा ही मॉडल वियतनाम और ईरान ने अपनाया है। भारत को अपनी इंटीग्रेटेड एयर एंड मिसाइल डिफेंस प्रणाली को और मजबूत करना होगा। स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के उत्पादन में तेजी लाना जरूरी है। हमें अमेरिका, इस्राइल और अन्य मित्र देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी को गहरा करना होगा। क्राउड में भारत को सक्रिय रहना चाहिए, ताकि चीन-पाकिस्तान गठजोड़ को सख्त सामरिक संदेश दिया जा सके।

लेखक जियोपॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

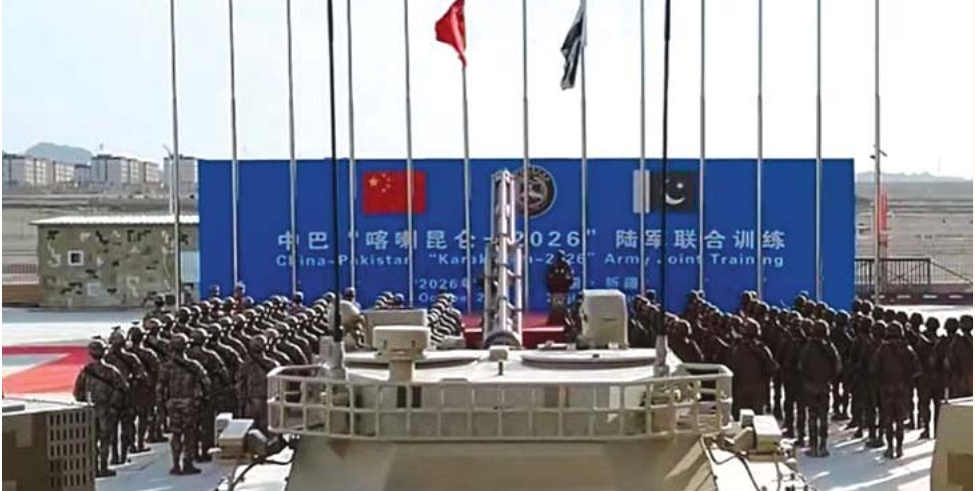
चीन-पाक साझे सैन्य अभ्यास के छिपे मंसूबे

पुष्परंजन

चीन में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी और पाकिस्तानी सेना के साझा सैन्य अभ्यास ‘काराकोरम 2026’ का मकसद कथित तौर पर पाक के ऊंचे इलाकों में आतंकवाद के सफाई की ट्रेनिंग देना है। हालांकि चीनी मंसूबे आतंकवाद उन्मूलन के बहाने पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध सामरिक रूप से मजबूत करने के भी हो सकते हैं। ऐसे में देश को अपनी रक्षा तैयारियों में वृद्धि के साथ ही रणनीतिक साझेदारियों बढ़ानी चाहिए।

पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियां मुख्य रूप से खैबर पख्तूनखुवा, उत्तरी और दक्षिणी खजीरिस्तान, बलू, बाजोर, पेशावर, डेरा इस्माइल खान, लक़ी मरवत और चित्राल में रुक-रुककर होती हैं। बलूचिस्तान के मस्तुंग और क़ेटा में भी आतंकी ठिकाने हैं, जहां बलूच लिबरेशन आर्मी व मजीद ब्रिगेड सक्रिय हैं। सिंध प्रांत में मुख्य रूप से कराची शहर में समय-समय पर आतंकी हमले और लक्षित हिंसा देखी गई है। इन इलाकों में आतंकी कई बार पाकिस्तानी सेना पर भारी पड़ जाते हैं। पाकिस्तानी सेना को मजबूत बनाने के वास्ते चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी शिन्जियांग के उड्गुर स्वायत्त क्षेत्र में स्थित कोरला के एक ट्रेनिंग बेस पर साझा सैन्य अभ्यास करती दिखी है। इस संयुक्त सैन्य अभ्यास का कोडनेम है- ‘काराकोरम 2026’।

रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के बीच यह पहला संयुक्त सैन्य अभ्यास है, जिसका मुख्य मकसद अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में ‘आतंकवाद की जड़ से सफ़ई’ करना है। इस अभ्यास में इस्तेमाल किए गए सभी हथियार और उपकरण चीन द्वारा दिए गए हैं। इनमें टाइप 191 राइफलें, टाइप 201 स्क्राइ मशीन गन, टाइप 11 आर्मर्ड असल्ट व्हीकल, टाइप 08 ८८फ़ैट्री फाइंटिंग व्हीकल, साथ ही तोपखाने, मानवरहित मारक प्रणालियां और एंटी-



अनैमैन्ड सिस्टम शामिल हैं।

इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी चीनी सरकारी चैनल सीसीटीवी के सैन्य चैनल पर सामने आई। वहां जानकारी साझा करते हुए सैन्य विशेषज्ञ वांग युनफेई ने बीते बुधवार को बताया कि इसमें इस्तेमाल किए गए दोनों तरह के वाहन पहिएदार प्लेटफॉर्म वाले हैं। अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में पहिएदार बख्तरबंद वाहनों के अपने फायदे होते हैं। टैंकों में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली चेन (ट्रैक) की तुलना में ये वाहन अधिक तेज़ चलते हैं। इनका खरखार भी आसान होता है। इस वजह से ये पठारी इलाकों में आवाजाही और युद्ध अभियानों के लिए आज की तरीख में बहुत उपयुक्त हैं।

वांग युनफेई ने कहा कि चीन ने इस अभ्यास के लिए कई श्रेणियों के उपकरणों को शामिल किया है, जो मिलकर एक पूर्ण युद्ध प्रणाली (कम्प्लटी कॉम्बैट सिस्टम) बनाते हैं। भविष्य में होने वाले सैन्य व्यापार के

तहत पाकिस्तान इन हथियारों को खरीद भी सकता है, जिससे पाकिस्तानी सेना में चीनी उपकरणों की मौजूदगी और बढ़ेगी। सैन्य मामलों के एक अन्य विशेषज्ञ झांग जुएशे ने चीन के एक दैनिक अखबार को बताया कि दोनों देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने, संयुक्त अभियान चलाने, तकनीक के हस्तांतरण, युद्ध संबंधी अनुभवों के आदान-प्रदान और आर्थिक सहयोग के जरिए आपसी सहयोग को और बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा, ‘चीन पाकिस्तान को तकनीकी और उपकरणों के रूप में मदद दे सकता है। इसमें ड्रोन और स्मार्ट कॉम्बैट प्लेटफॉर्म के जरिये चलते-फिरते लक्ष्यों को खोजना और उन पर हमला करना, साथ ही लंबी दूरी से स्लाइपिंग करना शामिल है। ऐसे अभ्यासों से आतंकवादी समूहों की निगरानी करने, उन्हें दबोचने और अली वॉर्मिंग सिस्टम जैसी क्षमताओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी। चीन अपने अनुभवों के आधार पर प्रशिक्षण भी दे सकता है।’

खास खबर

धर्म के आधार पर आरक्षण का लाभ नहीं दिए जाने संबंधी सुप्रीम कोर्ट का फैसला महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायगढ़ में पत्रकारों के सवालों के जवाब में धर्म के आधार पर आरक्षण का लाभ नहीं दिए जाने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के फैसले को महत्वपूर्ण बताया है। रायगढ़ में मीडिया से चर्चा के दौरान इस संबंध में पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला दिया है। धर्म के आधार पर आरक्षण का लाभ नहीं मिलने को लेकर यह निर्णय दूरगामी महत्व रखता है और इससे निश्चित रूप से अवैध धर्मांतरण पर भी रोक लगेगी। मुख्यमंत्री साय आज रायगढ़ में कोलता समाज द्वारा आयोजित नुआखाई भेंटघाट एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने आमंत्रण के लिए समाज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी समाजजनों को नुआखाई और शारदीय नवरात्रि की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोलता समाज शिक्षित, संगठित और प्रगतिशील समाज है। समाज के लोग शिक्षा, कृषि और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में भी कोलता समाज की महत्वपूर्ण भागीदारी है। मुख्यमंत्री साय ने समाज की गतिविधियों को और सुदृढ़ करने के लिए नगर पंचायत पुर्खोर में कोलता समाज के भवन हेतु 50 लाख रुपए तथा ग्राम कोतरलिया चंडी डोंगरी में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 30 लाख रुपए देने की घोषणा की। मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट मैच के आयोजन पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के स्टेडियम में भारत और जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीमों के बीच होने वाले मुकाबलों से प्रदेश में महिला क्रिकेट को प्रोत्साहन मिलेगा और हमारी बेटियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से इन मुकाबलों में पहुंचकर महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने का आह्वान किया।

युवाओं से प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा और रोजगार के नए अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने का किया आह्वान

आदिवासी समाज का इतिहास गौरवशाली, हमारी संस्कृति और प्रकृति संरक्षण की परंपरा पूरे देश के लिए प्रेरणा : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि आदिवासी समाज का इतिहास शौर्य, स्वाभिमान, संघर्ष और प्रकृति के प्रति अगाध श्रद्धा का गौरवशाली इतिहास है। हमारी जनजातीय संस्कृति में प्रकृति केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि आराध्य है। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण की जो सीख आदिवासी समाज ने सदियों से अपने जीवन और परंपराओं के माध्यम से दी है, वह आज पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायी है। कर्मा पर्व इसी समृद्ध सांस्कृतिक चेतना, सामूहिकता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का जीवंत प्रतीक है।

मुख्यमंत्री साय रायगढ़ जिले के तमनार विकासखंड अंतर्गत ग्राम सारसमाल स्थित माध्यमिक शाला के खेल मैदान में उर्ध्व समाज विकास समिति, छत्तीसगढ़-ओडिशा हिमगिर क्षेत्र द्वारा आयोजित कर्मा पूजा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने भगवान करम देव तथा आराध्य देव भगवान शिव और माता पार्वती की विविधत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगल की कामना की। कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति की जीवंत छटा उस समय और मनोहारी हो उठी, जब कर्मा दलों के आग्रह पर मुख्यमंत्री श्री साय स्वयं मांदर लेकर समाजजनों के बीच पहुंचे। मांदर की थाप और पारंपरिक लोकभुनों के बीच मुख्यमंत्री ने महिला-पुरुषों के साथ कर्मा नृत्य किया। मुख्यमंत्री की आत्मीय और सहज सहभागिता से समाजजनों में विशेष उत्साह देखने को मिला। समाज के पदाधिकारियों ने गजमाला पहनाकर मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातीय समाज के कल्याण और विकास को विशेष प्राथमिकता देते हुए अलग जनजातीय कार्य मंत्रालय का गठन किया। इससे जनजातीय समाज के विकास के प्रयासों को संस्थागत आधार और नई गति मिली। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान के साथ-साथ शिक्षा,



कर्मा पर्व हमारी जड़ें और प्रकृति से जुड़ाव का उत्सव

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आदिवासी समाज मूल रूप से प्रकृति का उपासक है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और पर्यावरण संरक्षण हमारी परंपराओं में रचा-बसा है। कर्मा पर्व नई फसल की खुशी, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सामूहिक जीवन की भावना को अभिव्यक्त करता है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक पहचान को सहेजने के साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, भाषा, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से जोड़ते हैं। उन्होंने समाजजनों से अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपरा और भाषा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए शिक्षा और आधुनिक अवसरों को अपनाकर समाज तेजी से आगे बढ़ सकता है। संस्कृति हमारी पहचान है और शिक्षा हमारे उज्ज्वल भविष्य का आधार है।

शिक्षा से खुलेगा प्रगति का मार्ग

मुख्यमंत्री साय ने युवाओं को विशेष रूप से संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन में आगे बढ़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। आज हमारे युवाओं के सामने अवसरों की कमी नहीं है। आवश्यकता है कि वे अपना लक्ष्य निर्धारित करें, परिश्रम करें और उपलब्ध सुविधाओं का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि आदिवासी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। प्रयास आवासीय विद्यालयों के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर दिया जा रहा है। नालंदा परिसर जैसी आधुनिक अध्ययन सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

स्वास्थ्य, आवास, सड़क, पेयजल, आजीविका और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए व्यापक स्तर पर कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर जनजातीय समाज की बेटी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विराजमान हैं। छत्तीसगढ़ में भी जनजातीय समाज के एक बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की सेवा करने का अवसर मिला है। यह जनजातीय समाज के बढ़ते सम्मान और भागीदारी का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नया रायपुर में स्थापित जनजातीय संग्रहालय हमारी समृद्ध जनजातीय विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। यहां जनजातीय समाज के इतिहास,

जीवनशैली, परंपराओं, संस्कृति और वीर महापुरुषों के योगदान को जानने-समझने का अवसर मिलता है। हमारी सरकार जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए समाज को विकास के आधुनिक अवसरों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए भी प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जनजातीय विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की क्षमता बढ़ाकर 200 सीट की गई है, जिससे उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले युवाओं को सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि समाज तभी तेजी से आगे बढ़ेगा, जब हमारी नई पीढ़ी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर प्रशासन, चिकित्सा,

इंजीनियरिंग, तकनीक, उद्योग, उद्यमिता और अन्य क्षेत्रों में अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को शिक्षा के साथ कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ने पर विशेष जोर दे रही है। शासकीय विभागों में भर्ती प्रक्रियाओं के साथ रोजगार मेलों और उद्योगों के माध्यम से युवाओं के लिए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का उद्देश्य भी स्थानीय युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित करना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों, रोजगार मेलों और स्वरोजगार से

जनजातीय महापुरुषों का संघर्ष हमारी अमूल्य विरासत

मुख्यमंत्री साय ने कर्मा तिहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने देश की संस्कृति और स्वतंत्रता आंदोलन में अविस्मरणीय योगदान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर सहित अनेक जनजातीय महानायकों ने मातृभूमि, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के लिए अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया। उनके त्याग, तपस्या और बलिदान से नई पीढ़ी को परिचित कराना हम सभी की जिम्मेदारी है।

जुड़ी योजनाओं की जानकारी रखें तथा इनका अधिकतम लाभ उठाएं। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से आगे बढ़ने वाला प्रत्येक युवा अपने परिवार के साथ पूरे समाज की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनजातीय बहुल क्षेत्रों में विकास की बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध हैं। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जन्मन) जैसी योजनाओं के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों तक आवास, सड़क, पेयजल सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि दूरस्थ जनजातीय अंचलों में रहने वाला कोई भी परिवार विकास की मुष्कंधारा और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि आदिवासी समाज ने अपनी संस्कृति, परंपराओं और लोककलाओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवंत बनाए रखा है। समाज के वीर महापुरुषों और उनके योगदान को व्यापक पहचान दिलाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का आह्वान किया।

किसानों की खुशहाली और समृद्धि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसानों की खुशहाली और समृद्धि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था और संस्कृति के केंद्र में हमारे अन्नदाता हैं। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि सुशासन और जनसेवा के माध्यम से किसान योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और छत्तीसगढ़ का प्रत्येक परिवार प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बने।

मुख्यमंत्री साय ने रायगढ़ के शहीद कर्नल विप्लव निपाटी स्टेडियम में आयोजित कोलता समाज के नुआखाई भेंटघाट एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय का समाजजनों ने पारंपरिक गजमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने माँ रणेश्वरी रामचण्डी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने



इस अवसर पर समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ग्राम कोतरलिया के चंडी डोंगरी में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए 30 लाख रुपए तथा नगर पंचायत पुर्खोर में कोलता समाज के मंगल भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने बाउंड्रीवाल निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कोलता समाज सहित सभी प्रदेशवासियों को नुआखाई पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नुआखाई हमारी समृद्ध कृषि संस्कृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह नई फसल के स्वागत, अन्नदाता के परिश्रम के सम्मान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का उत्सव है। ऐसे पर्व हमारी परंपराओं को जीवंत रखने के साथ नई पीढ़ी

को अपनी संस्कृति और जड़ों से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान प्रदेश है और हमारी सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों को उनकी मेहनत का उचित प्रतिफल मिले, खेती की लागत कम हो, सिंचाई की सुविधा बढ़े और कृषि के माध्यम से परिवारों में समृद्धि आए, इसी सोच के साथ सरकार लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायगढ़ अंचल के किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए केलो परियोजना का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से खेती की उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी।

हर जरूरतमंद परिवार के पक्के घर का सपना हो रहा साकार

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब और जरूरतमंद परिवारों के पक्के घर के सपने को तेजी से साकार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में प्रतिदिन लगभग 1,600 आवासों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि अपना पक्का घर केवल चार दीवारें और छत नहीं, बल्कि गरीब परिवार के लिए सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का आधार है। हमारी सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र जरूरतमंद परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास को नई गति देने के लिए 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की नई परियोजनाएँ शुरू की गई हैं। सरकार का प्रयास है कि अधोसंरचना के विकास का सीधा लाभ आम नागरिकों, किसानों, युवाओं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिले। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सुशासन, पारदर्शिता और जनसेवा को अपनी कार्यसंस्कृति का आधार बनाया है। आम नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े और शासन तक उसकी पहुँच आसान हो, इसके लिए तकनीक और आधुनिक व्यवस्थाओं का उपयोग किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों के त्वरित तथा समयबद्ध निराकरण के लिए सुशासन एवं अभिसरण

विभाग, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सेवा सेतु और अटल डिजिटल सेवा केंद्र जैसी व्यवस्थाएँ प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिकों की शिकायतों के समयबद्ध समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अनुरूप राज्य सरकार ने अपने ढाई वर्षों के कार्यकाल में अधिकांश वादों को पूरा किया है। शासन की योजनाएँ तभी सार्थक होती हैं, जब उनका लाभ जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर पहुँचे। इसलिए सरकार की प्राथमिकता योजनाओं और सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश में नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है।

मुख्यमंत्री साय की पहल से बड़ी सौगात: समडमा में 2.91 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा विद्युत सब स्टेशन

33/11 केवी विद्युत सब स्टेशन से 16 गांवों को मिलेगी बेहतर बिजली आपूर्ति, लो वोल्टेज की समस्या से मिलेगी राहत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा आम नागरिकों को बेहतर विद्युत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री साय के गृह जिले जशपुर के नागलोक क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। जिले के फसाबहार तहसील अंतर्गत ग्राम समडमा में 2 करोड़ 91 लाख रुपये की लागत से 33/11 केवी विद्युत सब स्टेशन का निर्माण कराया जा रहा है। इसके पूर्ण होने से स्थानीय विद्युत वितरण व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा बिजली आपूर्ति में सुधार होगा। समडमा में निर्माणाधीन 33/11 केवी विद्युत सब स्टेशन से समडमा, सांको, साहिलदा, बांसाझाल, छरला, मांझापापा, कोरचिकानी, लावाकेरा, जूनाडीह, जगदम्पुर, रेंगारमुण्डा, जाडामल, बेलडीपा, चालडीह, जामडांड और रंगीयाडीपा सहित आसपास के क्षेत्रों के विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।



कठिनाइयां होती थीं। क्षेत्र की इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर समडमा में विद्युत सब स्टेशन का निर्माण कराया जा रहा है। इसके पूर्ण होने से स्थानीय विद्युत वितरण व्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा बिजली आपूर्ति में सुधार होगा। समडमा में निर्माणाधीन 33/11 केवी विद्युत सब स्टेशन से समडमा, सांको, साहिलदा, बांसाझाल, छरला, मांझापापा, कोरचिकानी, लावाकेरा, जूनाडीह, जगदम्पुर, रेंगारमुण्डा, जाडामल, बेलडीपा, चालडीह, जामडांड और रंगीयाडीपा सहित आसपास के क्षेत्रों के विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

विद्युत सब स्टेशन के शुरू होने से इन गांवों में बिजली वितरण व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी। इससे उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज के साथ बेहतर बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की गुणवत्ता में सुधार होने से लोगों के दैनिक जीवन में सहूलियत बढ़ेगी।

समडमा में विद्युत सब स्टेशन का निर्माण केवल बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे क्षेत्र की कृषि, शिक्षा, छोटे व्यवसाय और ग्रामीण आजीविका से जुड़ी गतिविधियों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। बेहतर विद्युत आपूर्ति से किसानों की सिंचाई पंप और अन्य कृषि उपकरणों के संचालन में सुविधा होगी। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों और स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों के संचालन में भी सहूलियत मिलेगी। इसके साथ ही घरों में विद्युत उपकरणों का उपयोग अधिक सुगम होगा और विद्यार्थियों की अध्ययन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

उप मुख्यमंत्री शर्मा से मिलीं माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी की सदस्य, उप मुख्यमंत्री ने एनपीओपी प्रमाणन मिलने पर दी बधाई

उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग, पैकेजिंग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात की तैयारी करने पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा से दंतेश्वरी सफ़िट हाउस में माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड की पदाधिकारियों एवं महिला सदस्यों ने मुलाकात की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कंपनी को वनोपज के लिए राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत जैविक प्रमाणिकरण प्राप्त होने पर महिलाओं को बधाई दी। मुलाकात के दौरान महिला सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री शर्मा को अपनी कंपनी के ‘दण्डक ब्रांड’ का चावल का पैकेट भेंट किया। श्री शर्मा ने महिलाओं से कंपनी की गतिविधियों, उत्पादों की बिक्री, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार की संभावनाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि एनपीओपी



प्रमाणन मिलने के बाद अब दण्डक ब्रांड के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है। इस दौरान उन्होंने दण्डक ब्रांड को छत्तीसगढ़ के ‘छत्तीसकला’ ब्रांड के साथ जोड़कर व्यापक बाजार उपलब्ध कराने और नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने महिलाओं से उत्पादों की गुणवत्ता, आकर्षक पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन

व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ ही विदेशों में निर्यात के लिए आवश्यक तैयारियां करने को कहा। श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर के प्राकृतिक वनोपज, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अच्छी संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं का लाभ स्थानीय महिलाओं और वनोपज संग्रहकों तक पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर के विकास के लिए स्थानीय संसाधनों पर

प्रदेश की पहली एनपीओपी प्रमाणित महिला किसान उत्पादक कंपनी

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ‘बिहान’ के अंतर्गत वर्ष 2023 में दंतेश्वरी जिले में माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड का गठन किया गया था। कंपनी को हाल ही में वनोपज के लिए एनपीओपी प्रमाणन प्राप्त हुआ है। यह प्रदेश में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित पहली किसान उत्पादक कंपनी है, जिसे वनोपज उत्पादन के लिए यह प्रमाणन मिला है। इससे कंपनी के प्रमाणित जैविक वनोपज को देश के बड़े बाजारों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की संभावनाएं बढ़ी हैं। वर्तमान में कंपनी से 1080 महिला शेयरधारक प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं।

आधारित आजीविका को बढ़ावा दे रही है। माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी की उपलब्धि इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बस्तर के ऐसे गांवों, जहां परंपरागत रूप से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग नहीं हुआ है, वहां के कृषि उत्पादों और वनोपज को भी निर्धारित मानकों के अनुरूप जैविक प्रमाणिकरण से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। इससे स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार और उचित मूल्य मिलने के साथ ही युवाओं के

लिए रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी द्वारा स्थानीय उत्पादों को बाजार में विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए ‘दण्डक ब्रांड’ की शुरुआत की गई है। इसके अंतर्गत एचएमटी, लाल चूड़ी और बासमती चावल के साथ नीम फूल, अमचूर, इमली, महुआ, कोदो, कुटकी और रागी सहित विभिन्न स्थानीय उत्पादों का मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग और पैकेजिंग कर विपणन किया जा रहा है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में

COMPLETE FAMILY SALON

हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

93009-11331

रंगोली केवल के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्गा (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P122
PH.: 0768-4060131

अनुप ट्रेडर्स

ऑटोफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता

लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मो. 09826389666, 8839749539



‘द पैराडाइज’ के बाद अगले प्रोजेक्ट में जुटे राघव

एक्टर राघव जुयाल हाल ही में साउथ फिल्म ‘द पैराडाइज’ में नजर आए थे। फिल्म में राघव ने विलेन का किरदार निभाया था, वहीं एक्टर नानी लीड रोल में थे। अब इसके बाद राघव जुयाल अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में जुट गए हैं।

दरअसल, राघव जुयाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शूटिंग से जुड़ी जानकारी बताते हुए एक पोस्ट शेयर की। इसमें उन्होंने बताया कि वे उनकी अगली फिल्म ‘एनी बॉडी कैन ड्रीम’ की शूटिंग में लग गए हैं। इसके साथ उन्होंने एक बड़ा और भावुक नोट भी लिखा।

राघव ने लिखा, ‘आज मैं अपने करियर की सबसे अहम फिल्म की शुरुआत कर रहा हूँ। ऐसा इसलिए नहीं कि यह मेरी सबसे बड़ी फिल्म है, बल्कि इसलिए कि 12-13 साल पहले मैंने इसे देखा था, इसके सपने देखे थे और अपने मन में इसे जी भी लिया था।’

लीड रोल में नजर आएंगे राघव

उन्होंने आगे कहा, ‘यह फिल्म मेरे लिए इसलिए खास है, क्योंकि यह मुझे फिर से वहीं ले आई है, जहां से मैंने कभी शुरुआत की थी। यह मुझे याद दिलाती है कि जब आप किसी चीज को पाने के लिए लगातार मेहनत करते हैं, उसे अपने सपनों में जीते हैं और हकीकत बनने से पहले ही उस पर विश्वास करते हैं, तो कभी-कभी पूरी कायनात उसे सच करने का रास्ता



बना देती है। इस फिल्म को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि आज मैं उस फ्रेंचाइजी का मुख्य अभिनेता हूँ, जिसमें कभी मैं पीछे खड़े होकर, दूर से सब कुछ देखा करता था।’

रेनो डिस्जुजा करेंगे फिल्म का निर्देशन

बता दें कि ‘एनी बॉडी कैन ड्रीम’ का निर्देशन रेनो डिस्जुजा ने किया है। वहीं फिल्म को प्रोड्यूस भी रेनो ही कर रहे हैं। फिल्म की स्टारकास्ट, कहानी और रिलीज डेट को लेकर अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

‘एक वक्त काम नहीं था, फिर भी एक्टिंग नहीं छोड़ी’ आशा नेगी ने बताया क्यों नहीं चुना दूसरा रास्ता

सिर्फ दो दिन पहले शो में हुई लॉक

आशा कहती हैं, ‘मुझे शो के लिए सिर्फ दो दिन पहले लॉक किया गया था। अगले दिन मेरे ट्रायल हुए। फिर छह एपिसोड की रीडिंग हुई, शाम को लुक टेस्ट हुआ और उसी दौरान शूट भी शुरू हो गया। मुझे उस वक्त सिर्फ चैथे एपिसोड की स्क्रिप्ट पता थी। मुझे आगे की कहानी पता थी, न पीछे की। सच कहूँ तो मुझे खुद समझ नहीं आ रहा था कि मैंने ये सब कैसे मैनेज किया।’

‘विशाल की वजह से बच गई’

वह आगे कहती हैं, ‘शायद हमारे डायरेक्टर बहुत अच्छे थे और एक्टर्स ने भी बहुत मदद की। कई बार लगता है कि विशाल की परफॉर्मेंस की वजह से मैं बच गई। बाकी सब मस्ती-मजाक में हो गया। मुझे लास्ट मोमेंट पर लॉक किया गया था, तैयारी का टाइम ही नहीं मिला। कई बार सोचती हूँ कि मैंने ये सब कैसे कर लिया। लेकिन यही इस काम की खूबसूरती है। कई बार पूरी तैयारी का मौका नहीं मिलता और उसी वक्त चीजों को पकड़ना पड़ता है।’

दो महीने ओरछा में रहकर शूटिंग

मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक शहर ओरछा में 40 एपिसोड की शूटिंग करीब दो महीने चली। आशा कहती हैं, ‘मेरे लिए मेंटल प्रिपरेशन भी उतना ही जरूरी था। 40 एपिसोड का शूट है, तो सिर्फ रीडिंग या स्क्रिप्ट की तैयारी नहीं थी। हमें करीब दो महीने एक आइसोलेटेड रीजन में रहना था। वहीं काम करना है, वहीं खाना-पीना है। वही लोग आपके परिवार और दोस्त बन जाते हैं। इसलिए उस तरह से खुद को तैयार करना भी जरूरी था।’

ओरछा उन्हें काफी पसंद आया। वह कहती

हैं, ‘बहुत खूबसूरत जगह है। मुझे पहले पता ही नहीं था कि मध्य प्रदेश में इतनी सारी खूबसूरत जगहें हैं। वहां पुराने महल हैं, ऐतिहासिक जगहें हैं और राम राजा मंदिर भी है। वहां जाकर मैंने सोचा कि अपनी फैमिली को जरूर लेकर आऊंगी। सबसे अच्छी बात वहां की साफ हवा और साफ पानी था। मुंबई में रहते हुए आपको ऐसी चीजें बहुत मिस होती हैं।’

टीवी के शुरुआती दिनों में सेट पर ही रहती थीं आशा

आशा नेगी ने 2011 में टीवी से अपने करियर की शुरुआत की थी। उस समय शूटिंग के घंटे तय नहीं होते थे। आशा बताती हैं, ‘यार, मुझे बस यही लगता है कि उस वक्त हम बच्चे थे। हम 22-22 साल के थे, इसलिए सब हो जाता था। अब तो सोच भी नहीं सकती कि ऐसा कैसे कर लेते थे। मुझे याद है, एक बार किसी इवेंट में जाना था और मैंने चार दिन की छुट्टी मांगी थी। लेकिन लगातार सेट पर रहना पड़ता था। वहीं नहाना, वहीं रहना, बारिश के सीन चल रहे हैं तो वो भी वहीं। अब तो सोच भी नहीं सकती कि मैं ये सब कैसे कर लेती थी।’

आशा नेगी ने 2011 में टीवी से अपने करियर की शुरुआत की थी। ‘पवित्र रिश्ता’ से पहचान बनाने वाली आशा नेगी के उस शुरुआती दौर में शूटिंग के घंटे तय नहीं होते थे। वह कहती हैं, ‘अब अगर किसी दिन 12-13-14 घंटे से ऊपर हो जाता है तो मैं रोने लग जाती हूँ कि नहीं हो रहा मुझसे। एक बार शूट के आखिरी दौर में मेरी हालत बहुत खराब हो गई थी। रात को शूट खत्म हुआ और सुबह फिर जल्दी बुला लिया गया। उस वक्त मैं बस यही कह रही थी कि नहीं हो पाएगा मुझसे। मैं रोती हुई अंदर कमरे में चली जाती थी।’

काम नहीं था तो खुद पर काम किया

करियर में एक वक्त ऐसा भी आया, जब आशा के पास काम नहीं था। वह कहती हैं, ‘एक वक्त ऐसा भी था जब कुछ भी वर्क नहीं कर रहा था। मैंने वो फेलियर वाला फेज भी देखा है। लेकिन मुझे लगता है कि लो फेज आपको ज्यादा सिखाते हैं। जब सब अच्छा चल रहा होता है तो शायद आप उतना नहीं सीखते, जितना उस वक्त सीखते हैं जब चीजें आपके हिसाब से नहीं हो रही होतीं।’

वह आगे कहती हैं, ‘उस लो फेज में भी मेरे दिमाग में ऐसा कोई प्लान नहीं आया कि शायद मैंने गलत फैसला कर लिया या मुझे कुछ और ट्राई करना चाहिए। आज भी लोग कहते हैं कि आप कोई साइड बिजनेस क्यों नहीं करते, लेकिन मुझे लगता है कि मैं बस यही कर सकती हूँ। मुझे और कुछ नहीं आता। इसलिए जब वो वक्त आया तो मैंने सोचा कि अगर अभी काम नहीं है तो खुद पर काम कर लेती हूँ।’

‘जब मैं बॉम्बे आई थी तो मेरी एक्टिंग वही थी जो हमने टेलीविजन में सीखी थी। उस वक्त मैंने वर्कशॉप कीं। नेटफ्लिक्स और अमेजन जैसे प्लेटफॉर्म आ रहे थे, तो अच्छा सिनेमा भी देखने लगी। अगर उस वक्त काम नहीं था तो कम से कम मैं कुछ सीखकर तो निकलूँ। आज पीछे मुड़कर देखती हूँ तो लगता है कि अच्छा किया मैंने।’

माता-पिता के साथ वक्त बिताने को लेकर आशा कहती हैं, ‘मुझे लगता है कि उनके साथ रहने पर मैं अपनी वही सिंपल लाइफमें वापस चली जाती हूँ। यहाँ आप इतने उलझे रहते हो, लेकिन घर जाकर एक ब्रेक मिल जाता है। मैं करीब एक

हफ्ता वहां रहती हूँ और फिर वापस आ जाती हूँ। मुझे वो जिंदगी बहुत पसंद है।’

माँ की इच्छा का जिक्र करते हुए वह हंसती हैं, ‘मम्मी चाहती थीं कि मैं आर्मी में जाऊँ। वो तो नहीं जा पाईं। हाँ, लेकिन जो अनुशासन और स्ट्रिक्टनेस आर्मी में होती है, वो मेरी जिंदगी में जरूर है। तो आर्मी में भले ही नहीं जा पाईं, लेकिन अपने किरदारों के जरिए उस दुनिया को थोड़ा जी लिया।’

हॉरर के बाद अब एक्शन करना है

आशा अब एक्शन करना चाहती हैं। वह कहती हैं, ‘एक्शन अभी बाकी है। मैं प्रॉपर एक्शन करना चाहती हूँ। ऐसा कुछ जो थोड़ा चैलेंजिंग हो। उसके लिए तो मैं 1-2 महीने पहले से ट्रेनिंग शुरू कर दूंगी। मैंने अभी तक ऐसा कुछ ट्राई नहीं किया है। हॉरर भी मैंने पहले नहीं किया था, वो अब हो गया। तो अब लगता है कि एक्शन भी करना है।’



डराने को तैयार हैं कृति सेनन, दर्शकों को दिखाएंगी खौफनाक मंजर

अभिनेत्री कृति सेनन जल्द हॉरर फिल्म में दिखाई देंगी। वह जल्द दर्शकों को डराने बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। बीते दिनों विवादों से निकलने के बाद एक्ट्रेस से संबंधित कोई नई अपडेट फैस को मिली है। जानें फिल्म के बारे में

अभिनेत्री कृति सेनन फिल्म ‘भेड़िया’ के बाद अब एक दूसरी हॉरर फिल्म में नजर आने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर होगा होगा। फिलहाल फिल्म से सिर्फ कृति के जुड़ने की जानकारी सामने आई है।

सिर्फ हॉरर पर बनेगी फिल्म

अभिनेत्री कृति सेनन की यह आगामी फिल्म पूरी तरह से हॉरर को केंद्र में रख कर निर्देशित की जाएगी। बीते कुछ समय से बॉलीवुड में ज्यादातर हॉरर कॉमेडी बेस्ट फिल्मों का निर्माण हुआ है। मगर यह फिल्म पूरी तरह से दर्शकों का

सामना डर से कराएगी। हालांकि फिल्म की शूटिंग या कहानी को लेकर कोई भी हिंट मेकर्स ने नहीं दी।

फिलहाल फिल्म को कौन निर्देशित करेगा इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्मस बैनर तले हो रहा है। यह बैनर पहले भी ‘स्त्री’, ‘भेड़िया’ और ‘मुंज्या’ जैसी हॉरर कैटेगरी की फिल्में बना चुका है। इसलिए यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह फिल्म दमदार साबित हो सकती है।

कृति सेनन ने दिया था जवाब

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला बेहत लोकप्रिय टॉक शो और पॉडकास्ट ‘व्हाट वीमेन वॉंट’ के प्रोमो में कृति दिखाई दीं। इस दौरान उन्होंने कृति से कहा, ‘मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि मेरी चोली प्राइम टाइम न्यूज में छह लोगों की पैनल चर्चा का मुद्दा बन गई थी।’ इस पर करीना ने कहा, ‘मुझे पता है।’ शो के आखिर में जब कृति से पूछा गया कि महिलाएं वास्तव में क्या चाहती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, ‘जब न किया जाए और लोग अपने काम से काम रखें।’

स्टील के बर्तनों से जिद्दी दाग हटाने के लिए अपनाएं ये तरीके

स्टील के बर्तन रसोई के लिए एक बेहतरीन विकल्प होते हैं क्योंकि इन्हें साफ करना आसान होता है और ये लंबे समय तक चलते हैं। हालांकि, इन पर जिद्दी दाग लगना आम बात है और इन्हें हटाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम कुछ आसान और असरदार घरेलू नुस्खों के बारे में जानेंगे, जिनसे आप अपने स्टील के बर्तनों को नए जैसा चमका सकते हैं।



बेकिंग सोडा और पानी का घोल लगाएं

बेकिंग सोडा एक ऐसा सामग्री है, जो कई घरेलू कामों में इस्तेमाल होता है। आप इसे स्टील के बर्तनों पर लगे दागों को हटाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक पेस्ट तैयार करें, जिसमें बेकिंग सोडा और पानी मिलाकर गाढ़ा बनाया जाए। इस पेस्ट को दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें, फिर नरम स्पंज से रगड़कर पानी से धो लें। इससे दाग आसानी से हट जाएंगे।

सिरका और नमक का मिश्रण बनाएं

सिरका और नमक का मिश्रण भी स्टील के बर्तनों की सफाई के लिए बहुत उपयोगी हो सकता है। इसके लिए एक कप सिरके में 2 चम्मच नमक मिलाएं और इसे दाग वाली जगह पर डालकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद नरम स्पंज या ब्रश से रगड़ें। इससे दाग आसानी से हट जाएगा और आपका बर्तन नया जैसा दिखेगा। यह तरीका खासकर उन जगहों पर प्रभावी होता है, जहां दाग बहुत गहरा हो गया हो।

नींबू का रस लगाएं

नींबू का रस प्राकृतिक तौर पर खट्टा होता है, जो दागों को ढीला कर देता है। इसके लिए एक नींबू काटकर उसका रस दाग वाली जगह पर निचोड़ें और कुछ देर के लिए छोड़ दें, फिर गीले कपड़े या स्पंज से साफ करें। इससे आपका स्टील का बर्तन चमक उठेगा और सभी जिद्दी दाग आसानी से हट जाएंगे। यह तरीका न केवल असरदार है, बल्कि आपके बर्तनों को नया जैसा भी दिखाता है।

गर्म पानी का उपयोग करें

गर्म पानी का उपयोग करके भी आप अपने स्टील के बर्तनों को साफ कर सकते हैं। इसके लिए गर्म पानी भरें और उसमें थोड़ा सा डिटरजेंट पाउडर मिलाएं, फिर इसमें दाग वाले बर्तन डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद नरम स्पंज से रगड़ें। इससे सभी गंदगी और चिकनाई आसानी से निकल जाएगी। इस तरीके से आपके बर्तन जल्दी साफ हो जाएंगे और वे नए जैसे दिखेंगे।

ऐसीटोन का इस्तेमाल करें

अगर ऊपर बताए गए तरीके काम न करें तो ऐसीटोन का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक कपड़े पर थोड़ा ऐसीटोन लगाकर उसे दाग वाली जगह पर रगड़ें। इससे दाग तुरंत हट जाएगा और आपका स्टील का बर्तन नया जैसा दिखेगा। इन सभी घरेलू तरीकों को अपनाकर आप अपने स्टील के बर्तनों को आसानी से साफ रख सकते हैं और वे लंबे समय तक टिके रहेंगे।

‘मेरे साथ सोना...’ डायरेक्टर की इस बात से टूट गई थीं नीति टेलर, कभी फिल्में न करने का लिया फैसला

टीवी शो ‘कैसी ये यादियां’ से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीति टेलर ने अपने करियर से जुड़ा एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। अभिनेत्री ने बताया कि करियर की शुरुआत में उन्हें एक फिल्म के निर्देशक की ओर से कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा था। इस घटना से वह इतनी हैरान और परेशान हो गई थीं कि उन्होंने आगे फिल्में

न करने का फैसला कर लिया था।



डायरेक्टर ने रखी थी ऐसी शर्त

नीति टेलर ने अपने साथ हुई इस घटना के बारे में बताया। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत में तेलुगु फिल्मों में भी काम किया था। उन्होंने बताया कि अपनी पहली तेलुगु फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद उसी फिल्म के निर्देशक ने उन्हें दूसरी फिल्म के लिए फोन किया था। लेकिन बातचीत के दौरान निर्देशक ने उनके सामने एक ऐसी शर्त रख दी, जिसे सुनकर नीति हैरान रह गई।

नीति ने बताया, ‘जिस डायरेक्टर ने मेरे साथ पहली फिल्म की थी, उसने फिल्म पूरी होने के बाद मुझे दूसरी फिल्म के लिए फोन किया। फिर उसने कहा कि इस बार तुम्हें मेरे साथ सोना पड़ेगा। आपको समझ नहीं आता कि ऐसी बात पर कैसे रिएक्ट करें। मैंने बस फोन काट दिया, उसका नंबर ब्लॉक कर दिया और अपनी माँ को फोन करके बताया। मैंने माँ से कहा कि सोचिए, ‘वह बूढ़ा आदमी।’

घटना के बाद किसी से नहीं की बात

नीति ने बताया कि उस समय उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि इस स्थिति से कैसे निपटें। उन्होंने तुरंत फोन काटा और डायरेक्टर का नंबर ब्लॉक कर दिया। अभिनेत्री के मुताबिक, इस घटना ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया था।

नीति ने कहा, ‘मैंने उसे दूसरी लड़कियों के साथ देखा था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह मेरे साथ भी ऐसा करने की कोशिश करेगा। उसी समय मैंने फैसला कर लिया कि मैं अब कभी कोई फिल्म नहीं करूंगी। मैं पूरी तरह से हैरान रह गई थी और मैंने बस उसका नंबर ब्लॉक कर दिया। मैंने यह बात किसी को नहीं बताई, क्योंकि मैं समझ ही नहीं पा रही थी कि आखिर हुआ क्या है।’

खास-खबर

देवभोग में पीडब्ल्यूडी का एसडीओ कार्यालय शुरू

रायपुर। कार्यालय भवन का निर्माण पूर्ण होने के बाद लोक निर्माण विभाग के देवभोग अनुविभाग का कार्यालय अब गरियाबंद से स्थानांतरित होकर देवभोग में प्रारंभ हो गया है। देवभोग में भवन के अभाव में अब तक इसे गरियाबंद से संचालित किया जा रहा था। देवभोग में अनुविभागीय कार्यालय का निर्माण पूर्ण होने के बाद आज से वहां कामकाज शुरू कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने विगत 10 अक्टूबर को गरियाबंद में निरीक्षण के दौरान देवभोग में नवनिर्मित एसडीओ कार्यालय का संचालन शुरू करने के निर्देश दिए थे। इस पर त्वरित अमल करते हुए विभाग ने पांच दिनों के भीतर नए भवन से कार्यालय का संचालन प्रारंभ कर दिया है।

सक्षम योजना से स्वरोजगार की राह पर बड़ी महिलाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ महिला कोष की सक्षम योजना महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दे रही है। सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड की ग्राम पंचायत समोली की तीन महिलाओं को योजना के तहत 40-40 हजार रुपये की ऋण सहायता मिली है। मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाली ये महिलाएं अब अपने व्यवसाय शुरू कर आजीविका के नए साधन विकसित करेंगी। कलेक्टर रेना जमील ने महिलाओं को ऋण सहायता के चेक प्रदान किए। उन्होंने उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल उपस्थित रहे। योजना से लाभान्वित श्रीमती सुमन, पति करण, किराना दुकान का संचालन करेंगी। श्रीमती बाबी, पति गुलाब चंद, बांस से बनी सामग्री का निर्माण और खरीद-बिक्री करेंगी।

खरीफ 2026-27 में फसल कटाई प्रयोग सीसीई एग्री ऐप से करना अनिवार्य

कोरबा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफवर्ष 2026-27 में अधिसूचित फसलों के फसल कटाई प्रयोग शत-प्रतिशत सीसीई एग्री मोबाइल ऐप के माध्यम से किए जाएंगे। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने सभी तहसीलदारों एवं विकासखंड स्तरीय पर्यवेक्षण समिति के अध्यक्षों तथा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों एवं समिति के सचिवों को प्रयोग निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा है। भारत सरकार के निर्देशानुसार खरीफवर्ष 2025 से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत आयोजित फसल कटाई प्रयोगों में सीसीई एग्री मोबाइल ऐप का उपयोग अनिवार्य किया गया है।

किसानों की आय बढ़ाने कृषि के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

सरगुजा संभाग में फसल विविधीकरण और सहायक आजीविका गतिविधियों के विस्तार पर विशेष जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा संभाग में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए परंपरागत खेती के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन, कुक्कुटपालन, बकरीपालन और उद्यानिकी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। किसानों को खेती के साथ आय के अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध कराने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध कृषि संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संभाग स्तर पर समन्वित कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसी क्रम में सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने खरीफ2026 एवं रबी 2026-27 की तैयारियों को विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को योजनाओं का प्रभावी और समन्वित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अम्बिकापुर स्थित कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर एवं सूरजपुर जिलों के कृषि, पशुधन विकास, उद्यानिकी और मत्स्य पालन विभाग सहित कृषि विज्ञान केंद्रों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त ने कहा कि किसानों की आर्थिक



स्थिति को मजबूत बनाने के लिए केवल फसल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कृषि के साथ सहायक आजीविका गतिविधियों को भी बढ़ावा देना आवश्यक है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और किसानों को योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाएं।

संभागायुक्त श्री दुग्गा ने खरीफ 2026 के क्षेत्राच्छादन, फसल विविधीकरण और रबी मौसम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए पड़ती भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रबी मौसम में उपलब्ध नमी और सिंचाई संसाधनों का उपयोग कर अतिरिक्त क्षेत्र में खेती के लिए उपयुक्त फसलों का चयन किया जाए। धान आधारित फसल पद्धति में दलहन, तिलहन और उद्यानिकी फसलों को शामिल करने तथा किसानों को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राज्य में कुपोषण और एनीमिया जैसी गंभीर समस्याओं को जड़ से समाप्त करने के लिए एक महत्वाकांक्षी हर-घर मुनगा, घर-घर मुनगा अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई।

मुनगा के औषधीय और पोषण संबंधी गुण

बैठक में बताया गया कि मुनगा (सहजन) की पत्तियों और पत्तियों में पोषक तत्वों का अपार भंडार होता है। इसमें आयर्न, कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन-ए और विटामिन-सी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसे नियमित भोजन में शामिल करने से कुपोषण और एनीमिया की रोकथाम में काफी मदद मिलती है, विशेषकर कुपोषित बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए यह बेहद फ़ायदेमंद है।



अभियान की मुख्य रूपरेखा और निर्देश

अभियान के तहत राज्य के प्रत्येक घर में मुनगा के पौधे नि:शुल्क वितरित किए जाएंगे और हर घर में इनका रोपण व देखभाल सुनिश्चित की जाएगी। नर्सरी में पौधों का तैयार होना

उद्यानिकी, कृषि एवं किसान कल्याण तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की नर्सरियों में मुनगा के पौधे तैयार किए जाएंगे।

फरवरी से मार्च माह के दौरान इन्हें घर-घर वितरित कर रोपित किया जाएगा। सभी जिलों के कलेक्टर इसकी निगरानी करेंगे।

आंगनवाड़ी, स्कूल और छात्रावासों में लगाए जाएंगे मुनगा के पौधे

राज्य के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों, आश्रमों और छात्रावासों में भी मुनगा के पौधे नि:शुल्क उपलब्ध कराकर लगाए जाएंगे। पौधों के रोपण,

उनकी सुरक्षा और सिंचाई सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल जियो-टैगिंग और लाइव डैशबोर्ड मॉनिटरिंग पर विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि हर पौधे के जीवित रहने की दर और पोषण स्तर पर सीधी नजर रखी जा सके। इस अभियान को सफल बनाने के लिए कई प्रमुख विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग इस अभियान का नोडल विभाग होगा, जो आंगनवाड़ी स्तर पर समन्वय, हितग्राही चयन, पोषण शिक्षा और दैनिक निगरानी करेगा। राज्य के करीब 23 हजार 500 स्कूलों में मुनगा पौधे का रोपण कर शाला पोषण वाटिका का निर्माण किया जाएगा और मध्याह्न भोजन में मुनगा भाजी शामिल की जाएगी। ग्राम पंचायत स्तर पर बाड़ियों की पहचान,

नर्सरी तैयार करने और स्व-सहायता समूहों के सहयोग से जन-जन तक अभियान की जानकारी पहुंचाई जाएगी। उद्यानिकी एवं कृषि विभाग गुणवत्तापूर्ण मुनगा कलम व उन्नत पौधे तैयार करने, रोपण तकनीक, जैविक खाद और पौध सुरक्षा में तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगे। इसके लिए वन विभाग का सहयोग भी लिया जाएगा। बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव भूवनेश यादव, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रतीत सिंह, पंचायत महिला शांति शहला निगार, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव भूवनेश यादव, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव श्री भीम सिंह सहित वन, उद्यानिकी और कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मातृ-रूपेण सस्थिता... जब माँओं ने बचाई एक माँ की जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवरात्रि में हम माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना करते हैं और नारी शक्ति के सामर्थ्य को नमन करते हैं। इसी मातृशक्ति का एक प्रेरक स्वरूप पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध अम्बेडकर अस्पताल, रायपुर में देखने को मिला, जहाँ महिला चिकित्सकों की टीम ने अपने चिकित्सकीय कौशल, साहस और समर्पण से एक माँ को नया जीवन दिया। वह भी तब, जब गंभीर प्रसूति जटिलता से जुझ रही 32 वर्षीय महिला को बच्चेदानी और मूत्राशय बुरी तरह पट गए थे। गर्भस्थ शिशु की मृत्यु हो चुकी थी और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण महिला की जान पर बन आई थी। ऐसे कठिन समय में स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की टीम ने लगभग पांच घंटे तक जटिल सर्जरी की। मरीज को 10 यूनिट रक्त एवं रक्त घटक चढ़ाए गए।

इसके बाद दो दिनों तक वेंटिलेटर पर गहन उपचार चला। आखिरकार चिकित्सकों के अथक प्रयास सफल हुए



और महिला स्वस्थ होकर अपने परिवार के पास लौट गईं। नवरात्रि में नारी शक्ति के साहस, समर्पण और सम्मान का इससे बेहतर उदाहरण क्या होगा कि एक ओर देवी स्वरूपा माँ की आराधना हो रही है, तो दूसरी ओर महिला चिकित्सकों ने अपने ज्ञान, कौशल और सेवा भाव से एक माँ का जीवन बचाने के लिए अथक प्रयास करते हुए उसे मौत के मुँह से वापस अनुभव से एक गंभीर मरीज की जान की स्थिति में मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज लेकर अपने घर चली गईं हैं। पं.

नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने इस मौके पर कहा कि नवरात्रि हमें शक्ति, साहस और करुणा का संदेश देती है।

अम्बेडकर अस्पताल में एक माँ के जीवन को बचाने की यह घटना; शक्ति केवल आराधना में नहीं, सेवा में भी है, इसी भावना को जीवित करती है। जहाँ महिला चिकित्सकों ने अपने ज्ञान और अनुभव से एक गंभीर मरीज की जान बचाने का हरसंभव प्रयास किया, वहीं विभिन्न विभागों की टीम ने एकजुट होकर

चिकित्सा सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कहा कि प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की टीम द्वारा अथक प्रयास करते हुए एक माँ को नया जीवन देना, मातृशक्ति के प्रति सच्चे सम्मान और सेवा भाव का प्रतीक है क्योंकि अस्पताल में उपचार हेतु आनेवाला प्रत्येक मरीज किसी के परिवार की आशा, उम्मीद और अपनों का पूरा सहारा होती है। 32 वर्षीय महिला अपनी चौथी गर्भावस्था में थी।

गर्भावस्था की पूरी अवधि समाप्त होने के बाद उसे प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजन उसे पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुँचे। वहाँ से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर समीपस्थ मेडिकल कॉलेज रफ्तार किया गया, जहाँ उपचार प्रारंभ हुआ। इसी दौरान प्रसव के प्रयास में महिला को बच्चेदानी और मूत्राशय बुरी तरह पट गए। गर्भस्थ शिशु को पेट के भीतर ही मृत्यु हो गई और महिला को भारी रक्तस्राव होने लगा। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे अम्बेडकर अस्पताल, रायपुर लाया गया।

जनजातीय अंचलों की बेटियों को अंग्रेजी में दक्ष बनाने की पहल

रायपुर। उच्च शिक्षा विभाग के तत्वावधान में शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर में अनुसूचित जनजाति क्षेत्र के महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा में संप्रेषण कौशल के विकास के लिए एक संभाग स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा आयुक्त श्रीमती रीता यादव शामिल हुईं। इस कार्यशाला में बिलासपुर संभाग के विभिन्न महाविद्यालयों के 25 प्राचार्यों, 47 प्राध्यापकों और अन्य 17 प्रतिभागियों सहित कुल 89 लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं बिलासपुर संभाग के अपर संचालक द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में इसे उच्च शिक्षा में गुणवत्ता



संबद्धन और समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। इसके बाद, संप्रेषणात्मक अंग्रेजी प्रशिक्षण के राज्य स्तरीय सदस्य तथा बिलासपुर संभाग के नोडल अधिकारी की कार्ययोजना और उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

आयुक्त रीता यादव ने अपने प्रेरक उद्बोधन में छात्रहित के सर्वोपरि रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों में छात्राओं की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए

आवश्यकता पड़ने पर रविवार व अन्य अवकाश के दिनों में भी शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित की जा सकती हैं, जिसके लिए नियमानुसार प्रतिप्रकृत अवकाश की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से जनजातीय अंचलों के विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा के प्रति आत्मविश्वास विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि उच्च शिक्षा, रोजगार और व्यक्ति विकास के उनके अवसर व्यापक हो सकें।

कार्यक्रम में डॉ. एम. एस. गुप्ता ने बताया कि छात्राओं के अंग्रेजी संप्रेषण कौशल को निखारने के लिए 90 दिवसीय एक विशेष पाठ्यक्रम की अनुशंसा की गई है, जिसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए शुरू किया गया है। स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ. सोमाली गुप्ता ने इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा, शिक्षण पद्धति और मॉड्यूल तैयार करने की प्रक्रिया की जानकारी दी।

कर्नाला बैराज का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

कवर्धा। सेवा संकल्प अभियान के तहत कबीरधाम जिले के सहसपुर लोहारा क्षेत्र में कर्नाला बैराज मध्यम परियोजना का मानसून पश्चात निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैराज की मुख्य संरचनाओं, जल प्रवाह व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी पहलुओं का जायजा लिया गया। इसका उद्देश्य मानसून के बाद परियोजना की स्थिति का आकलन कर जल प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करना था। अनुविभागीय अधिकारी, सूतियापाट उप संभाग क्रमांक-1, सहसपुर लोहारा सागर प्रसाद वर्मा एवं उप अभियंता जय प्रकाश ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बैराज की संरचनात्मक स्थिति और जल प्रवाह व्यवस्था का अवलोकन किया।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं प्रहलत उपलब्ध यहां
उचित व्याज दर पर धरवी रखी जाती है

मुक्तियाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

**Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai**

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Jaquar Roca **Paryware** **AJAY FLOWLINE**

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

जीजा के लांछन पर साली ने लगाई आग, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। महिला के चरित्र पर लांछन लगाकर विवाद करने और उसके बाद महिला द्वारा आत्मघाती कदम उठाने के मामले में मल्हार पुलिस ने आरोपी जीजा को गिरफ्तार किया है। भगवानपाली निवासी 28 वर्षीय गीताराय ने वर्ष 2024 में अपनी इच्छा से सतीश कुमार राय से विवाह किया था। 16 अप्रैल 2026 के बीच वह अपने पति के साथ मुंगेली जिले के पथरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बरछा में अपने मामा कृष्ण बंजारे के घर आयोजित विवाह समारोह में शामिल होने गई थी। उसके जीजा विनेत जोगी (44), निवासी टिकारी ने उसके चरित्र पर लांछन लगाते हुए विवाद किया था। 18 अप्रैल 2026 की रात 11 बजे गीताराय ने आग लगा ली। गंभीर हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मल्हार चौकी पुलिस ने आरोपी विनेत जोगी 44 वर्ष निवासी टिकारी को पूछताछ के लिए बुलाया। पुलिस ने बताया कि आरोपी का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के बाद उसे न्यायालय में पेश कर रिमांड की प्रक्रिया की जा रही है।

जेल में बंद आदिवासी महिला की इलाज के दौरान मौत

बिलासपुर। केंद्रीय जेल में बंद एक आदिवासी महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। तोरवा निवासी निशा ध्रुव और उसके पति गोपीचंद ध्रुव को 10 अक्टूबर को पाक्सो एक्ट में जेल भेजा गया था। जेल में रहने के दौरान 12 अक्टूबर को निशा ध्रुव की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे सिम्स से अपोलो अस्पताल रेफर कर दिया था. यहां उपचार के दौरान 14 अक्टूबर की रात उसकी मौत हो गई। महिला के पति गोपीचंद को 14 अक्टूबर को ही जमानत पर जेल से रिहा कर दिया गया। जेल में महिला की तबीयत बिगड़ने और उपचार के दौरान उसकी मौत का मामला सामने आया है।

पिकनिक स्पॉट पर सजाया जुए का फड़, 8 को दबीया

कोरबा। बालको थाना क्षेत्र के फुटहामुड़ा गांव के पिकनिक स्पॉट पर सजा रखे जुए के फड़ पर पुलिस ने दबिश दी। मौके से 8 लोगों को पकड़ा। फुटहामुड़ा के पिकनिक स्पॉट पर जुआ खेलते पोड़ीबहार रामपुर निवासी विजय कुमार वर्मा, चिमनीभट्टा निवासी हसीम कुरैशी, ढोढ़ीपारा निवासी देवेंद्र साहनी, कृष्णा नगर मानिकपुर निवासी उज्ज्वल विश्वास, मुड़ापार निवासी धनीराम, रहौस कुरैशी, आरिफ खान, पिता सलीम खान, कांशी नगर बुधवारी निवासी सूरजमल देवांगन को पुलिस ने पकड़ा। इनके पास से 14 हजार 700 रुपए, 7 बाइक व अलग-अलग कंपनियों के 7 मोबाइल फोन जब्त किया गया।

नाबालिग से रेप के आरोपी को 20 साल की सजा 15 साल की लड़की को घर से भगाया, शादी का झांसा देकर वारदात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में 15 साल की नाबालिग को घर से भगाकर शादी का झांसा देने और रेप करने के मामले में पाँक्सो कोर्ट ने आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने आरोपी पर 6 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। आरोपी मनीष सारथी (31) पूंजीपथरा थाना क्षेत्र के बगचबा का रहने वाला है।

मामला पुसौर थाना क्षेत्र का है। अभियोजन के मुताबिक, पीड़िता के पिता ने पुसौर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके परिवार में पांच बेटियाँ और एक बेटा है। इनमें से तीन बेटियों की शादी हो चुकी है। 28 जून 2025 की रात वह अपनी पत्नी, दो बेटियों और बेटे के साथ खाना खाने के बाद सो गए थे।

सुबह उठकर देखा तो उनकी 15 साल की छोटी बेटी कमरे में नहीं थी। परिजनों ने आसपास और



रिश्तेदारों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद पिता ने आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर ले गया है।

आरोपी के खिलाफ दर्ज किया गया केस

परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

रानीतराई में अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। रानीतराई थाना क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार शासकीय महाविद्यालय के पीछे ग्राम रानीतराई स्थित पुलिया के पास एक व्यक्ति देशी शराब लेकर ग्राहकों का इंतजार कर रहा था।

सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर घेराबंदी कर रेड की और सुनील पारधी को पकड़ा। तलाशी में नीले-सफेद रंग की बोरी से शोले मसाला देशी मदिरा के 34 पौवा बरामद हुए, जिनकी कीमत 3,660 रुपये बताई गई। पुलिस ने आवकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध क्रमांक 101/2026 दर्ज किया।

युवती ने लगाई फांसी, सुसाइड-नोट में मां से मांगी माफी लिखा - मरना नहीं चाहती, युवक ने किया गलत काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग में 24 साल की युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौत से पहले युवती ने छत्तीसगढ़ी में सुसाइड नोट लिखा है। सुसाइड नोट में उसने एक युवक पर मानसिक प्रताड़ना, शारीरिक संबंध बनाने और भाई समेत परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं।



पुलिस ने मार्ग कायम कर सुसाइड नोट, परिजनों के बयान और मोबाइल में मौजूद मैसेज और तस्वीरों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

युवती ने अपने सुसाइड नोट में मां और

मुर्गी चोरी के शक में हत्या, बाप-बेटों ने मिलकर पीटा आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मुर्गी चोरी के शक में हत्या का खौफनाक मामला सामने आया है। पिता व उसके दो नाबालिग बेटों ने मिलकर पड़ारी को इतना पीटा कि उसकी जान चली गई। मामला जिले के पाली थाना क्षेत्र के ग्राम जमनीमुड़ा का है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कुछ घंटे बाद ही हत्या के आरोपी पिता और उसके दो नाबालिग बेटों को गिरफ्तार कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार घटना 14 अक्टूबर की देर शाम की है। गांव जमनीमुड़ा में आमने-सामने रहने वाले दो पड़ोसियों खुशाल सिंह कंवर उर्फ कुसाल सिंह और नारायण सिंह पोते के बीच मुर्गी चोरी को लेकर कहासुनी शुरू हुई। इस



दौरान नारायण सिंह कोरते ने खुशाल के सिर पर डंडे से वार किया। जबवा में खुशाल ने भी हमला किया, जिससे नारायण के कान पर चोट आई और वह खून से लथपथ घर पहुंचा। पिता को घायल देख नारायण के दोनों नाबालिग बेटे

आक्रोशित हो गए और खुशाल सिंह के घर पहुंचकर ईंट और डंडे से उसकी जमकर पिटाई की। हमले में खुशाल के सिर और कनपटी पर गंभीर चोटें आईं। परिजनों ने 108 एंबुलेंस की मदद से उसे शासकीय अस्पताल पाली पहुंचाया, जहां इलाज के

दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटेल, एसपी कटघोरा, एसडीओपी कटघोरा विजय सिंह राजपूत और थाना प्रभारी पाली के नेतृत्व में टीम गठित कर घेराबंदी की गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी नारायण सिंह पोते 44 वर्ष निवासी जमनीमुड़ा को हिरासत में लिया, जिसने पूछताछ में जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध अपराध सिद्ध पाए जाने पर न्यायिक रिमांड तैयार कर जेएमएफसी न्यायालय पाली में पेश किया गया, जहां से जेल वार्ंट प्राप्त कर उसे उप जेल कटघोरा दाखिल कराया गया। वहीं प्रकरण के शामिल नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड कोरबा के सामने पेश कर बाल संरक्षण गृह भेजा गया है।

शिवनाथ के बासिन डैम में डूबने से नाबालिग की मौत, नहाने पहुंचा था गहराई में समाया

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र में गुरुवार को शिवनाथ के बासिन डैम में डूबने से नाबालिग की मौत हो गई। नाबालिग किशोर यहां नहाने पहुंचा था और इस दौरान गहराई में चला गया। घटना की सूचना के बाद एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। कुछ घंटों की मशकत के बाद नाबालिग का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान 16 वर्षीय टुकेश साहू निवासी ग्राम बासिन के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार

टुकेश साहू गुरुवार की सुबह बासिन क्षेत्र के डैम में नहाने पहुंचा। नहाने के दौरान अचानक गहरे पानी में समा गया। की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस एवं प्रशासन के समन्वय से जिला सेनानी दुर्ग द्वारा एसडीआरएफ की प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम को तत्काल आवश्यक बचाव उपकरणों सहित घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

एसडीआरएफ की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर मोटर बोट, डीप डाइविंग किट, लाइफ बाॅय, लाइफ जैकेट एवं सर्च हुक की मदद से नदी के गहरे जलक्षेत्र में खोजबीन शुरू की। प्रतिकूल परिस्थितियों और जलस्तर की चुनौतियों के बीच ड्रिप डाइविंग कर सर्च ऑपरेशन जारी रखा गया। टीम के कुशल गोताखोर राजकुमार यादव ने शव को बाहर निकाला। बरामदगी के पश्चात शव को अग्रिम वैधानिक व पंचनामा कार्यवाही हेतु स्थानीय पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया।

शिवरीनारायण मेले में चाकूबाजी, दो युवक घायल, 4 संदिग्ध हिरासत में

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण में गुरुवार रात दुर्गा उत्सव मेले के दौरान चाकूबाजी की घटना हुई। इसमें जेल वार्डन यादव और करण यादव घायल हो गए। क्रैमराज के रिर पर गंभीर चोट आई है। दोनों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद पुलिस ने चार संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मेला घूमने आए युवकों से विवाद के बाद हमला

जानकारी के अनुसार, ग्राम खपरीडीह निवासी क्रैमराज यादव



अपने दोस्त करण यादव के साथ शिवरीनारायण में दुर्गा उत्सव और मेला घूमने आया था। इसी दौरान कुछ युवकों से उनकी कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद के बीच

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। अकलतरा थाना क्षेत्र में घरेलु विवाद के बाद पति ने पत्नी पर तारपीन तेल डालकर आग लगा दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने उसे 36 घंटे के भीतर रायपुर से गिरफ्तार कर लिया। गंभीर रूप से झुलसी महिला का रायपुर के डीकेएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। आरोपी लालमणी यादव उर्फ मनीराम यादव निवासी करूमहु, पत्नी और बच्चों के साथ पिछले चार वर्षों से अकलतरा के पोड़ीभाटा वार्ड 01 में रह रहा था। वह शराब पीने के बाद पत्नी से विवाद और मारपीट करता

था। 12 अक्टूबर को घरेलु विवाद के दौरान आरोपी ने घर में रंगाई-पुताई के लिए रखा तारपीन तेल पत्नी पर डालकर आग लगा दी। महिला आग लगने के बाद घर से बाहर निकली। गंभीर रूप से झुलसी महिला को तत्काल सीएचसी अकलतरा ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे सिम्स किया। रायपुर के डीकेएस अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। आरोपी के रायपुर में होने की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने दबिश देकर लालमणी यादव को गिरफ्तार किया।

सामने आई है। घटना के बाद मेले में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलने पर शिवरीनारायण पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है।

पुलिस ने मामले में चार संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विवाद की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस मामले में रीपोर्ट दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है। जांच के बाद ही हमले के कारण और इसमें शामिल लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

कार्यालय कार्यापालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग (वि./या.) संभाग दुर्ग (छ.ग.)		
// निविदा आमंत्रण सूचना //		
ज्ञाप क्र. 5877 / नि.प्र.क्र.-12 / लो.नि.वि./2026-27	दुर्ग, दिनांक 13/10/2026	
एकीकृत पंजीवन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य का विद्युतीकरण कार्य हेतु मेनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है: निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 22/10/2026 अपराह्न 5.30 बजे तक ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 03/11/2026 अपराह्न 5.30 बजे तक निविदा खोलने की तिथि :- 04/11/2026 पूर्वाह्न 11.30 बजे तक निविदा खोलने की तिथि में अवकाश हो या अधोहस्ताक्षरकृत शासकीय दौर पर हो तो निविदा आगामी कार्य दिवस में खोली जावेगी।		
स.क्र./निविदा क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	2	3
(1) T0117	Providing Electrification work to New Rest House Building at Dhamdha Block Dhamdha,District Durg	7.57 Lacs
(2) T0118	Providing Electrification work to R.O. and Canteen Building at Diet College Achoti, District Durg	6.52 Lacs
निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cgc.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। निविदा संबंधी अन्य शर्तें का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।		
टीप:- (1) आवंटन प्राप्त होने पर ही दायक का भुगतान किया जायेगा।		
जी-262703983/3		कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (वि./ या.) संभाग दुर्ग

Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery

Beside Parakh Jewellers,
Akshah Ganga,
Supela, Bhilai

Hellco:- 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

मिलान की सवते बट्टी
चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766



सेवा के
25वर्ष
सुशासन | गरीब कल्याण | राष्ट्र निर्माण

सेवा सेतु

जनता के द्वार, डिजिटल सरकार

दफ्तरों के चक्कर खत्म

जति, आय, निवास

पेंशन योजनाएं

राशन कार्ड

नाम परिवर्तन

व्यापार लाइसेंस

सेवा सेतु
जनता के द्वार, डिजिटल सरकार
sewasetu.cgstate.gov.in
सरकारी सेवाएं घर बैठे
एक क्लिक में



अधिक
जानकारी हेतु
► स्कैन करें
या विजिट करें

sewasetu.cgstate.gov.in

92034 06400

